प्रमुख घटनाएं और उपलब्धियां

(नवंबर, 2018)

*****

प्रमुख घटनाएं एवं उपलब्धियां

1. भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य परियोजना पहचान सत्यापन प्रणाली (एफपीआईवीएस) और "टिप्पणियों के लिए ई-प्लेटफॉर्म" प्रारंभ किया। एफपीआईवीएस किसी भी उत्पाद के लिए अनुप्रयुक्त खाद्य विनियमों की पहचान करने अथवा इन आहारों को उत्पादन करने का अनुमोदन प्राप्त करने की आवश्कयता होने पर खाद्य व्यापार ऑपरेटरों (एफबीओ) को समर्थकारी बनाती है। "टिप्पणियों के लिए ई-प्लेटफॉर्म" भावी खाद्य मानकों और विनियमों के बारे में पणधारकों के विचारों को ऑनलाइन प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान करेगा।
2. आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के अंतर्गत स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 1 नवंबर, 2018 को केरल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। केरल इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाला 33वां राज्य है। इसी के साथ, नवंबर, 2018 में जो प्रगति रिपोर्ट की गई है, उसके अनुसार 326 अस्पतालों को पैनलबद्ध करने की प्रक्रिया चल रही है: इसके लिए कुल 5,020 आवेदन प्राप्त हुए हैं: प्रवेश हेतु अधिकृत राशि 306.1 करोड़ रुपये, अस्पतालों में 2,42,000 मरीज भर्ती किए गए तथा 7,76,541 ई-कार्ड जारी किए गए।
3. बाल दिवस के अवसर पर एफएसएसएआई ने स्वस्थ भारत यात्रा का अनुकरण करते हुए 'ईट राइट' भारतीय अभियान को और ताकत देकर 'ईट राइट' पुरस्कारों और 'ईट राइट' सृजनात्मकता चुनौती की घोषणा की थी।
4. मंत्रालय ने केंद्रीय सरकार के मंत्रालयों/विभागों और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से अपने परिसरों / कार्यालयों / भवनों को "तंबाकू मुक्त क्षेत्र" घोषित करने का अनुरोध किया है।
5. 7 नए एम्स और झज्जर, हरियाणा में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) के निर्माण के वित्त पोषण के लिए, मंत्रालय ने उच्चतर शिक्षा वित्त पोषण एजेंसी (एचईएफए), जो भारत में प्रमुख शिक्षण संस्थानों में पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन को वित्त पोषित करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय और कैनरा बैंक का एक संयुक्त उद्यम है, से ऋण की मांग की है। प्रत्येक 7 नए एम्स और एनसीआई, झज्जर के लिए 525 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। एम्स, गोरखपुर के लिए 100 करोड़ रुपये की राशि भी जारी कर दी गई है।
6. दोषपूर्ण आर्टिकूलर सर्फेस रिप्लेसमेंट (एएसआर) हिप इम्प्लांट्स से संबंधित मामलों की जांच करने के लिए मंत्रालय द्वारा एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सरकार ने क्षतिपूर्ति की राशि का निर्धारण करने के लिए, एक केंद्रीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों से उनके संबद्ध राज्यों में प्रभावित रोगियों की जांच तथा रोगियों के लिए एक सरल उपचार सुविधा प्रदान कराने हेतु राज्य स्तरीय समितियों के गठन हेतु अनुरोध किया गया है। ये राज्य स्तरीय समितियां केंद्रीय विशेषज्ञ समिति को अपनी सिफारिशें

भेजेगी। सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों को समाचार-पत्र के माध्यम से विज्ञापन देकर लोगों को जागरूक करने का अनुरोध किया गया है ताकि वे केंद्रीय विशेषज्ञ समिति अथवा राज्य स्तरीय समिति से संपर्क कर सकें।

क्षतिपूर्ति फार्मूला को अंतिम रूप देने से रोगियों की मैसर्स जॉनसन तथा जॉनसन प्रा. लि. से क्षतिपूर्ति सुनिश्चित होती है। क्षतिपूर्ति के दावों का निपटान समयबद्ध तरीके से किया जाता है तथा मैसर्स जॉनसन तथा जॉनसन प्रा. लि. द्वारा प्रभावित रोगियों को बैंक अकाउंट के माध्यम से भुगतान किया जाता है।

7. आज तक 21000 स्वास्थ्य तथा आरोग्य केंद्रों की मंजूरी दी गई है, जिसमें से राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की रिपोर्ट के अनुसार, 30 नवंबर, 2018 तक 3908 स्वास्थ्य तथा आरोग्य केंद्र परिचालित हो जाएंगे।
8. सचिव (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय), की अध्यक्षता में नई दिल्ली में दिनांक 26 नवंबर, 2018 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के सशक्त कार्यक्रम समिति (ईपीसी) की 7वीं बैठक आयोजित की गई।
9. सचिव (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय) तथा महामहिम कोसमोसबेक चोलपोनबोएव, स्वास्थ्य मंत्री, किरगिज गणराज्य के बीच दिनांक 15 नवंबर, 2018 को नई दिल्ली में एक बैठक आयोजित की गई।
10. निजी क्षेत्र, जहां एचआईवी ग्रस्त व्यक्ति रहते हैं तथा जिनके लिए वर्ष 2020 तक 90-90-90 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उन पर चर्चा हेतु 5 नवंबर, 2018 को नाको में एक बैठक आयोजित की गई।
11. मंत्रालय ने सीएस(एमए) नियमावली, 1944 के तहत केंद्र सरकारी कर्मचारियों के उपचार हेतु आस्था किडनी तथा सुपर स्पेश्यिलिटी अस्पताल, लुधियाना को मान्यता प्रदान की।
12. राष्ट्रीय नेत्रहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के तहत नवंबर, 2018 माह में लगभग 4.79 लाख मोतियाबिंद की सर्जरी की गई तथा स्कूली बच्चों को 34,971 नि:शुल्क चश्मे बांटे गए और 5,540 दान किए गए नेत्र एकत्रित किए गए।

******